मार्विन की तमाम परेशानियां

कैथरीन पैटर्सन

चित्र: जेन क्लार्क ब्राउन



मार्विन डरा हुआ है. यह उसका स्कूल का पहला दिन है और ऐसा लगता है कि सभी को पता है कि कहाँ जाना है - मार्विन को छोड़कर. ऐसा लगता है कि सभी बच्चों को अपनी-अपनी कक्षा मिल गई है - मार्विन को छोड़कर. और ऐसा लगता है कि बाकी सभी बच्चों को पढ़ना आता है - मार्विन को छोड़कर.

पढ़ने के साथ मार्विन का संघर्ष, उत्सुक पाठकों को सच लगेगा, और सभी कैथरीन पैटर्सन की आश्वस्त करने वाली कहानी में उसकी जीत की सराहना करेंगे.

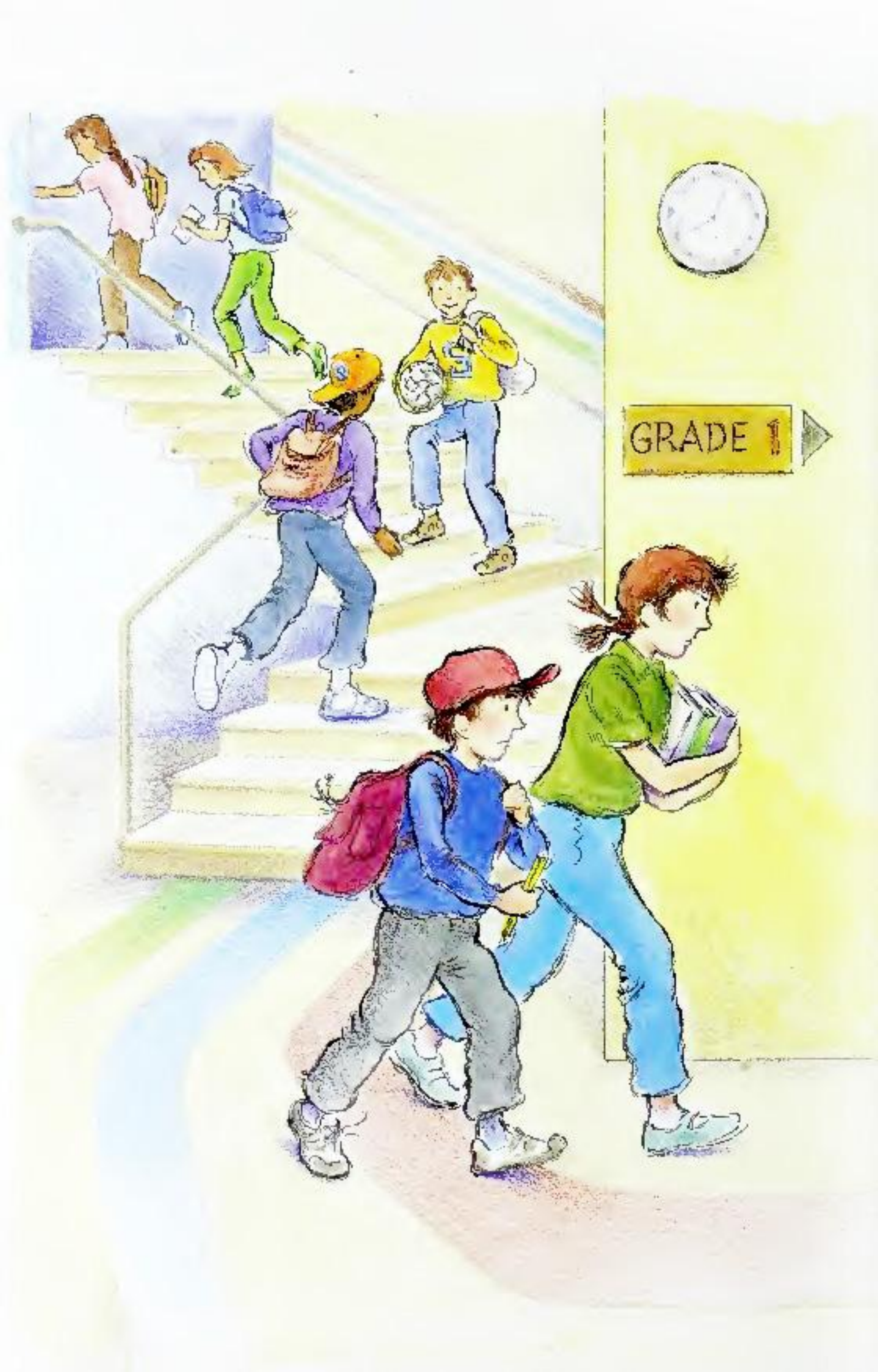


मार्विन की तमाम परेशानियां

कैथरीन पैटर्सन

चित्र: जेन क्लार्क ब्राउन





मार्विन गेट्स डरा हुआ है.

उसका नया स्कूल बहुत बड़ा था.

वो वहां खो गया.

अंत में उसकी बहन,

मेह को उसकी मदद करनी पड़ी.

"तुमने पहले दिन ही देर कर दी,"

मेह ने कहा.

मार्विन को रोने का मन हुआ,

लेकिन वह रोया नहीं.

"यहाँ तुम्हारी कक्षा है," मेह ने कहा.

"देखा? तुम्हारी शिक्षिका अच्छी लग रही हैं!"

मार्विन को अच्छा लगा.



फिर शिक्षिका ने कहा: "एक और?

यह एक बहुत ज़्यादा है!"

मार्विन को बहुत बुरा लगा.

उसे लगा कि उसकी शिक्षिका

ने उसे पसंद नहीं किया.



मार्विन ने हर किसी का कार्ड देखे,

यहाँ तक कि, टीचर का भी.

"मैं मिस ब्राउन हूँ," टीचर ने कहा.

और फिर उन्होंने अपने कार्ड

की ओर इशारा किया.

"ब्र्रा-उ-न!"

"क्या बात है?"

मार्विन ने पूछा.

"क्या आपको ज़ुखाम है?"

मिस ब्राउन हँस पड़ी.

सभी बच्चे भी हँस पड़े -

सिवाय मार्विन के.

उसे अच्छा नहीं लगा.





मिस ब्राउन ने दूसरे कार्ड की ओर इशारा किया.

"क्या कोई इस कार्ड को पढ़ सकता है?"

"हां, मैं," एक लड़की ने कहा.

"इस पर 'मैरी' लिखा है.

मैरी मेरा नाम है."

"अच्छा," मिस ब्राउन ने कहा.

"मैरी अपना नाम पढ़ सकती है."

"मैं भी! मैं भी!"

सभी बच्चे चिल्लाए

सिवाय मार्विन के.

उसके पास कार्ड नहीं था.

क्योंकि वह कक्षा में नया था.



अगले दिन मिस ब्राउन ने कहा:

"अपना कार्ड ढूँढ़ो और बैठ जाओ."

"क्या मेरा भी कार्ड है?" मार्विन ने पूछा.

"हाँ," मिस ब्राउन ने कहा.

"आज तुम्हारा भी कार्ड है."

मार्विन खुश हुआ.

उसने मार्विन के लिए M देखा.

फिर वह भागकर अपनी

सीट पर बैठ गया.



"नहीं," तभी एक लड़की ने कहा.

"तुम मैरी नहीं हो.

मैं मैरी हूँ."

मार्विन को छोड़कर सभी बच्चे हँसे.





हर दिन हालात बदतर होते गए.

हर बच्चा सभी कार्ड पढ़ सकता था,

सिवाय मार्विन के.

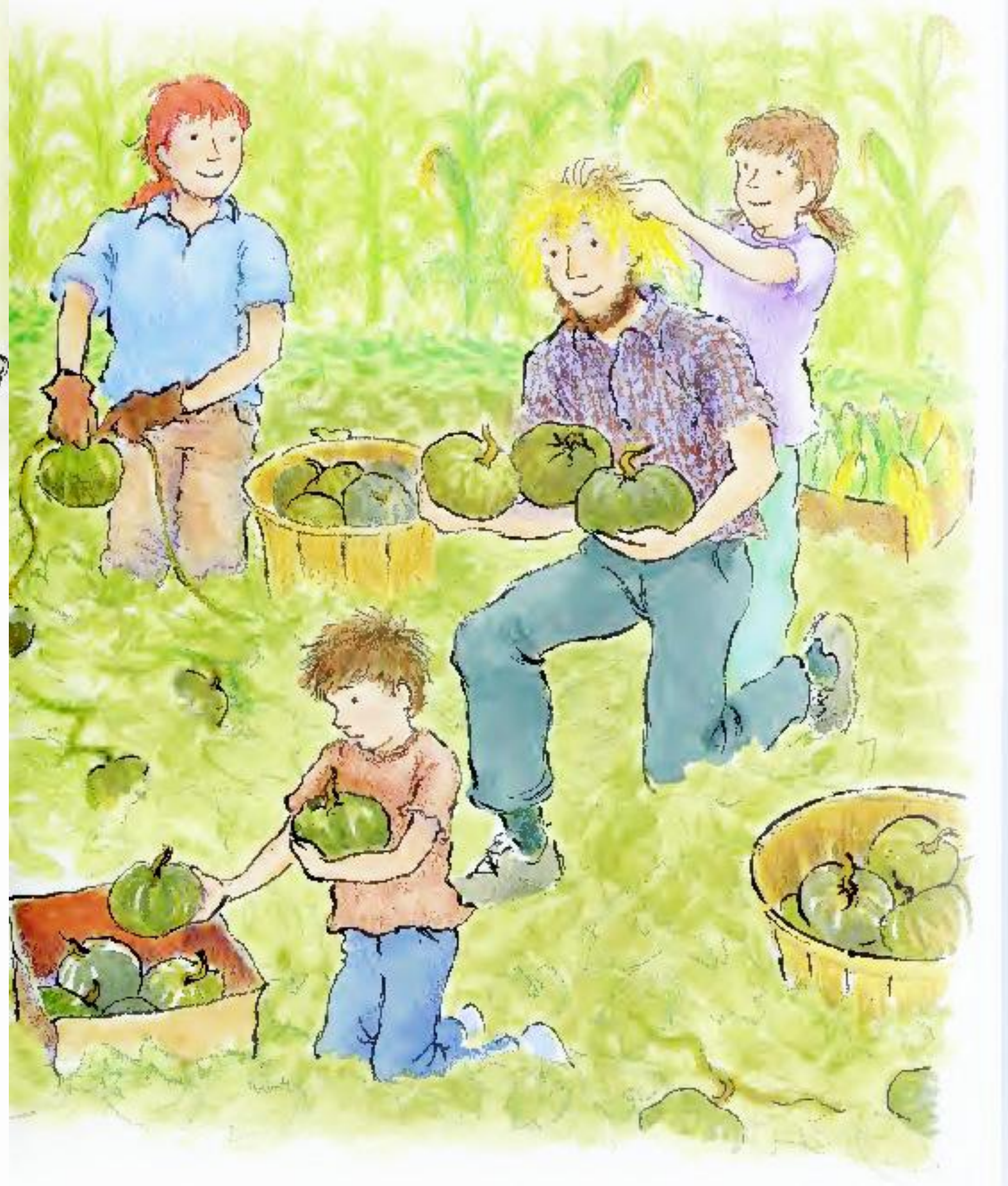
उसके साथ काफी परेशानियाँ थीं.

मार्विन, माँ और पिताजी को

वो सब बताना चाहता था,

लेकिन वो अपने माता-पिता को

परेशान नहीं करना चाहता था.



"यह घर के लिए एक नोट है,"

मिस ब्राउन ने कहा.

"अपने माता-पिता से इस नोट पर

हस्ताक्षर करवाकर लाना.

तुम्हारे माता-पिता को हर दिन

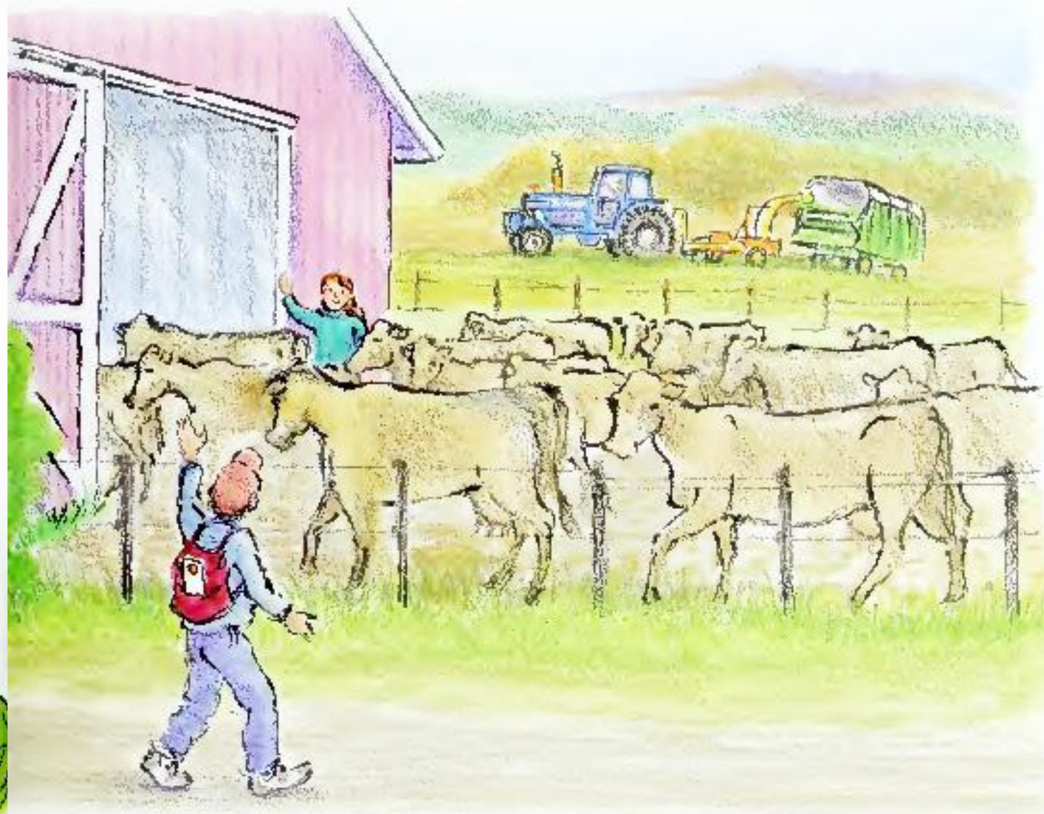
तुम्हारे साथ पढ़ना चाहिए."



माँ और पिताजी ऐसा भला

कैसे कर सकते थे?

वे बहुत व्यस्त थे.



मिस ब्राउन को यह बात समझना चाहिए.

मिस ब्राउन को डेयरी फार्म के बारे में

शायद कुछ नहीं पता है.

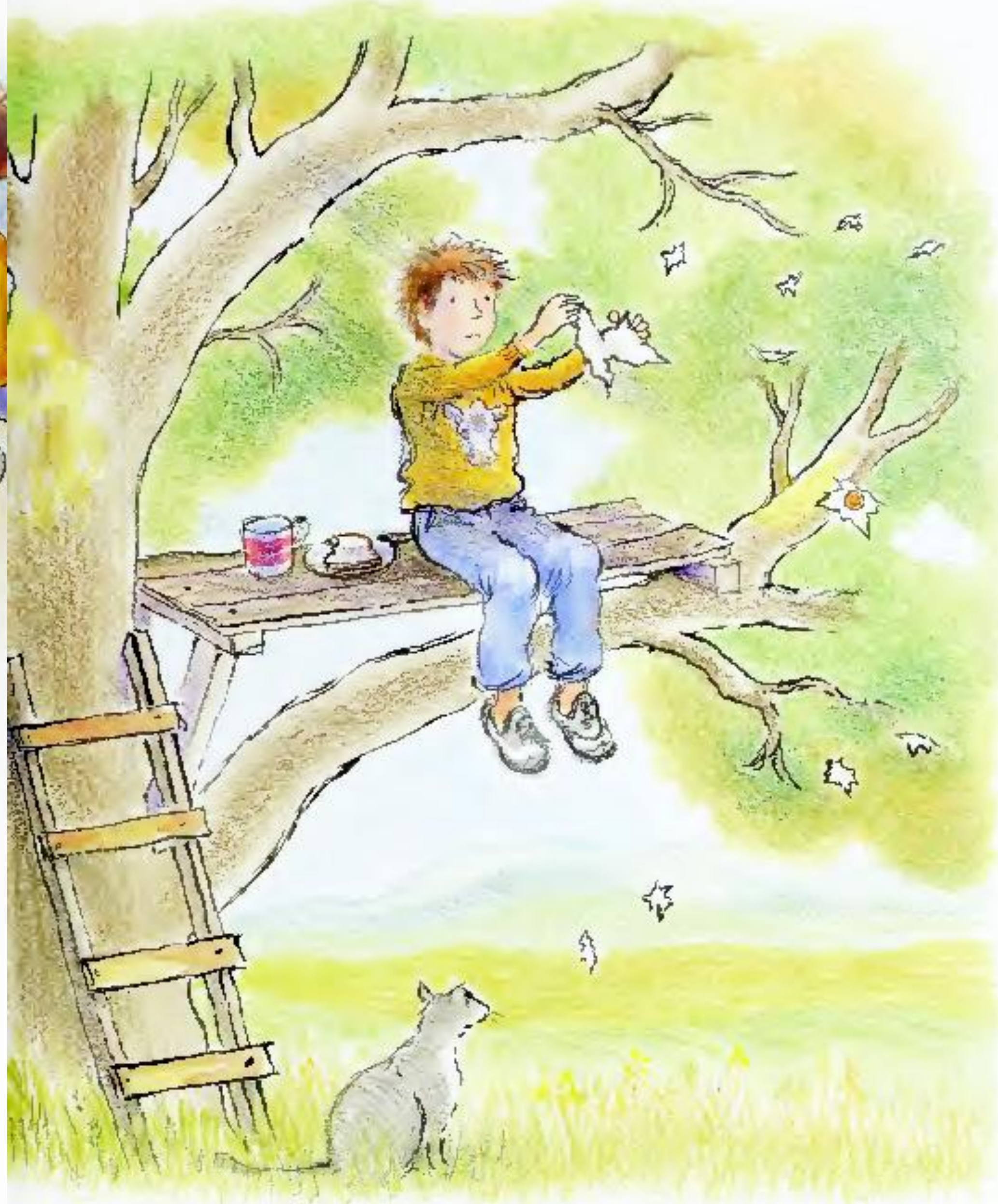


"क्या तुम मेरे साथ पढ़ोगी?"

मार्विन ने मेह से पूछा.

"नहीं," मेह ने कहा.

"आज मुझे बहुत सारा होमवर्क करना है."



मार्विन ने मिस ब्राउन का नोट फाड़ दिया.

दूसरे बच्चों ने मार्विन का मज़ाक उड़ाया.



"तुम पढ़ नहीं सकते," मैरी ने कहा.

"शायद उसके माता-पिता भी

पढ़ नहीं सकते हैं,“ जो ने कहा.

मार्विन को रोने का मन हुआ,

लेकिन वह रोया नहीं.

इसकी बजाय उसने जो को मारा.

उससे मिस ब्राउन बहुत गुस्सा हुईं.



"तुमने इस लिए पागलपन दिखाया

क्योंकि तुम पढ़ नहीं पाते हो,"

मैरी ने कहा.

"पढ़ना बेवकूफी है," मार्विन ने कहा.



जल्द ही क्लास में हर कोई

किताबें पढ़ रहा था –

मार्विन को छोड़कर.

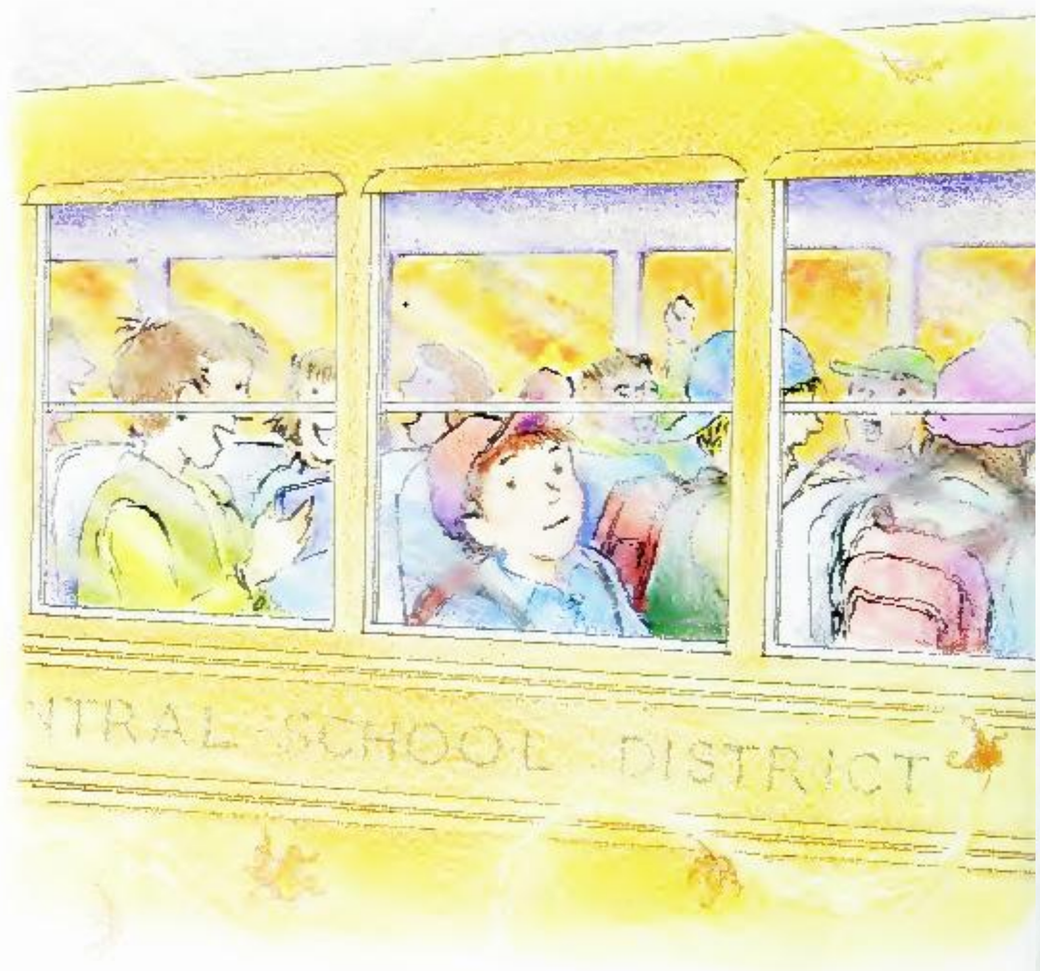


"तुम भी कोई किताब चुन लो,"

मिस ब्राउन ने कहा.

"हमारे पास बहुत सारी अच्छी किताबें हैं."

"किताबें पढ़ना बेवकूफी हैं," मार्विन ने कहा.



मार्विन चाहता था कि बर्फ गिरे.

वह चाहता था एक बड़ा तूफान आए.

जिससे स्कूल की छुट्टी हो जाए.

फिर अचानक एक बड़ा तूफ़ान आया.

उससे मार्विन बहुत खुश हुआ.

अब वो घर पर रह सकता था.





घर में उसका स्वागत था.

लेकिन पिताजी तूफान के बारे में चिंतित थे.

"अगर बिजली चली गई तो," उन्होंने कहा,

"फिर हम गायों का दूध कैसे निकालेंगे?"

"अगर सड़क बहुत खराब हुई," माँ ने कहा,

"तो फिर ट्रक, दूध कैसे लेकर जाएगा?"



"मेरी क्लास की कल एक फील्ड ट्रिप है.

"अब हम नहीं जा सकेंगे," मेह ने कहा.

मार्विन परिवार को कैसे बता सकता था

कि तूफान के लिए वही ज़िम्मेदार था?

उसे रोने का मन हुआ,

लेकिन वह रोया नहीं.

"ठीक है, मार्विन" मेह ने कहा.

"क्या तुम स्कूल-स्कूल खेलना चाहते हो?"

मार्विन को स्कूल से नफ़रत थी,

लेकिन वह चाहता था कि

मेह बेहतर महसूस करे.

इसलिए वो खेला.





"यहाँ कुछ कार्ड हैं," मेह ने कहा.

"अब, इस कार्ड पर क्या लिखा है?"

"मुझे नहीं पता," मार्विन ने दुखी होकर कहा.

"मार्विन! यह तुम्हारी पसंदीदा चीज़ है!"

मेह ने कहा.

पीछे की तरफ़ एक गाय की तस्वीर थी.

"का-ओ!" मेह ने कहा.

"क्या तुम्हें चोट लगी है?" मार्विन ने पूछा.





"नहीं," मेह ने कहा.

"देखो! का-ओ. गाय."

फिर मेह ने उसे एक और कार्ड दिखाया.

"इस कार्ड पर क्या लिखा है?"

मार्विन ने अपना सिर हिलाया.

कार्ड के पीछे एक बिल्ली थी.



"बिल्ली?" मार्विन ने पूछा.

"नहीं," मेह ने कहा. "मि-या-ओ."

मि-या-ओ में ओ देखो?

ठीक वैसे ही जैसे गाय में ओ.

देखो?"



मार्विन ने नहीं देखा.

"पढ़ना बेवकूफी है," उसने कहा.

तभी माँ और पिताजी अंदर आए.

वे बर्फ से ढके हुए थे,

"बहुत तेज़ बर्फबारी हो रही है," माँ ने कहा.

"मुझे उम्मीद है कि बर्फ

हटाने वाला यंत्र जल्द आ जाएगा."

आशा है कि बिजली चालू रहेगी,"

पिताजी ने कहा.



तभी सारी लाइटें चली गईं.

माँ और पिताजी बहुत चिंतित हुए.



यह सब मार्विन की गलती थी.

मार्विन को रोने का मन हुआ,

और वह रोया भी.



"क्या बात है?" पिताजी ने पूछा.

"यह सब मेरी गलती है," मार्विन ने कहा.

"मैं एक बड़ा तूफान चाहता था

ताकि मुझे स्कूल न जाना पड़े."

"मार्विन, तूफान तुम्हारे कारण नहीं आया है,"

पिताजी ने कहा.

"फिर स्कूल में तुम्हें क्या परेशानी है?"

"पढ़ना," मार्विन ने कहा.

"हर कोई पढ़ सकता है - मेरे अलावा."



"हाँ," पिताजी ने कहा.

"पढ़ पाना बहुत कठिन होता है.

क्या तुम्हें पता है कि मैं अपनी कक्षा में

पढ़ने में आखिरी नंबर पर था?"

मार्विन को यकीन नहीं हुआ.

उसके पिता बहुत होशियार थे.

वह गायों और ट्रकों के बारे में

बहुत कुछ जानते थे.

"हाँ," पिताजी ने कहा.

"मैं सबसे लास्ट में था."

"पढ़ना बेवकूफी है," मार्विन ने कहा.

"नहीं," पिताजी ने कहा.

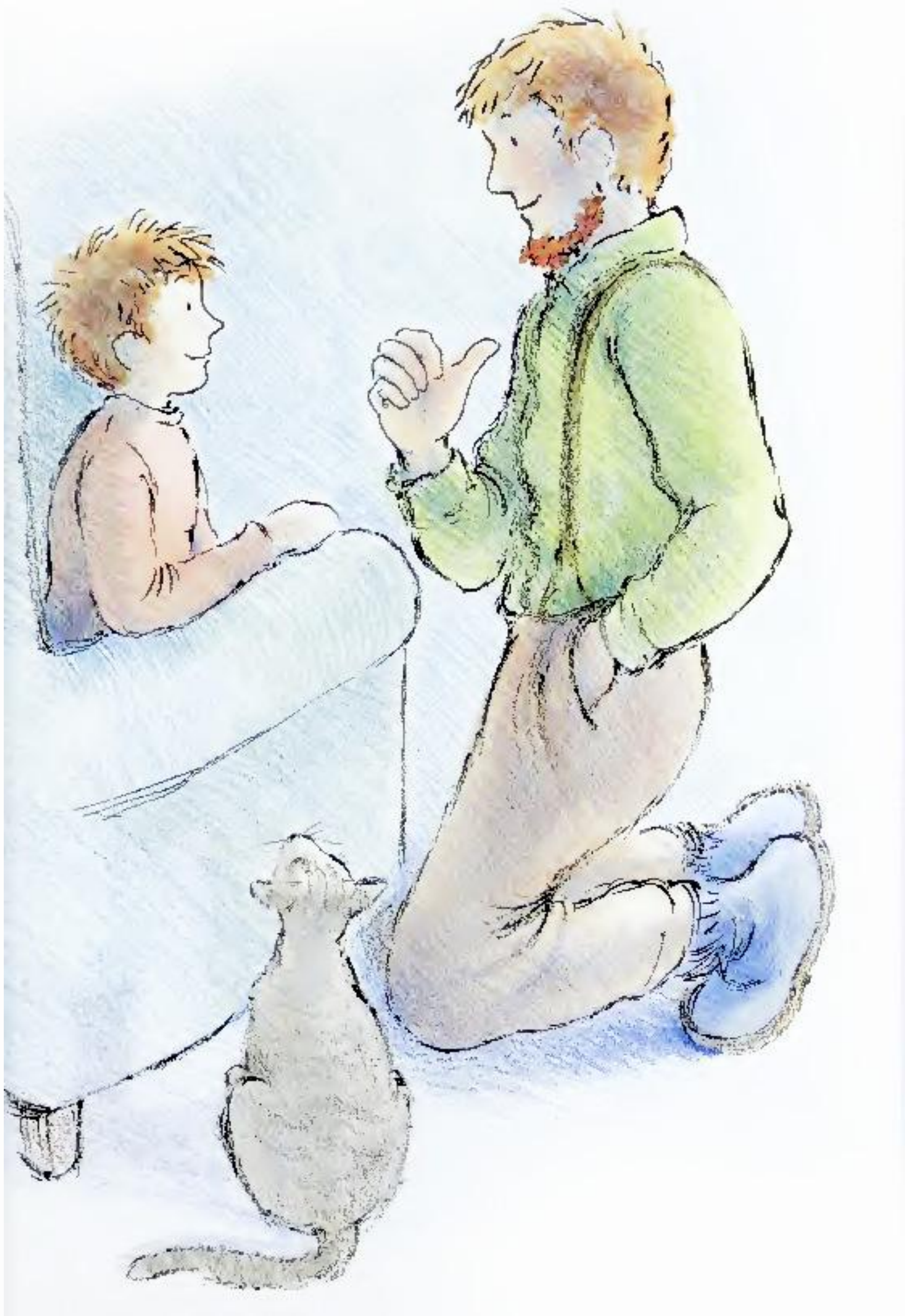
"पढ़ना एक अच्छी बात है.

हममें से कुछ लोगों को

पढ़ना सीखने में कुछ ज़्यादा समय लगता है.

तुम जल्दी ही सीख जाओगे,

मुझे पता है."



मार्विन को थोड़ा बेहतर लगा.

"क्या आप मुझे कुछ पढ़कर सुनायेंगे?"

मार्विन ने पूछा.

"ज़रूर," पिताजी ने कहा.

मेह ने पिताजी को पढ़ने के

लिए गाय के बारे में

एक मज़ेदार कविता ढूँढ़ी.





पिताजी ने हर शब्द के नीचे अपनी उँगली रखी.

"मैंने कभी बैंगनी गाय नहीं देखी,

मुझे ऐसी गाय कभी देखने की उम्मीद भी नहीं है.

लेकिन मैं तुम्हें एक बात बता सकता हूँ,

मैं एक बैंगनी गाय होने के बजाय

उसे देखना पसंद करूँगा."

"ओह!" मार्विन ने कहा.

"क्या तुम दुखी हुए?"

पिताजी ने पूछा.





"नहीं!" मार्विन ने कहा. "देखा? ओ!

का - ओ. यानि गाय!"

"तुम पढ़ रहे हो!" पिताजी ने कहा.

"तुमने अभी-अभी 'गाय' पढ़ा!"

"मुझे गायें बहुत पसंद हैं,"

मार्विन ने कहा.

"'गाय' मेरा पसंदीदा शब्द है.

क्या तुम जानते हो कि

मेरा नाम "म" से शुरू होता है?"

मार्विन ने कहा.

"मार्विन अपना नाम कैसे पढ़ता है?"

पिताजी ने पूछा.

"मम्म्म्ममार-विन!" मार्विन ने कहा.

"तुमने सही कहा, मार्विन!"



तभी सारी लाइटें जल उठीं.

जल्द ही उन्होंने बर्फ हटने की आवाज़ सुनी.

"यिप्पी!" मार्विन ने कहा.

"कल मैं मिस ब्र्‌र-आ-उन को

सभी मम्म्ममार-विन की गायों

के बारे में बता सकता हूँ!"





"मिस ब्र्‌र-आ-उन को मेरा सन्देश देना

कि हम हर रात को साथ-साथ पढ़ेंगे.

जो लोग पढ़ने में थोड़ा ज़्यादा समय लेते हैं

उन्हें एक-साथ रहना चाहिए,"

पिताजी ने कहा.



और इस प्रकार

मम्म्ममार-विन ने पढ़ना शुरू किया और

जल्द ही वो एक अच्छा पाठक बन गया.

अंत